पाठ 8

एक साँस आजादी के

—डॉ. जीवन यदु

जिनगी म आजादी के बड़ महत्तम हे। मनखे भर नइ,भलुक सबो परानी आजादी के हवा म साँस लेवइ ल पसंद करथें। गुलामी के बरा—सोंहारी ले आजादी के सुक्खा रोटी ह जादा गुरतुर लगथे। ये छत्तीसगढ़ी कविता म कवि अइसनेच किसिम के भाव ल परगट करे हे।

जीयत—जागत मनखे बर जे धरम बरोबर होथे।
एक साँस आजादी के, सौ जनम बरोबर होथे।

जेकर चेथी म, जूड़ा कस माड़े रथे गुलामी,
जेन जोहारे बइरी मन ल, घोलंड के लामालामी,
नाँव ले जादा, जग म ओकर होथे ग बदनामी,
अइसन मनखे के जिनगी बेसरम बरोबर होथे।

लहू के नदिया तउँर निकलथे, बीर ह जतके बेरा,
सुरुज निकलथे मेंट के करिया बादरवाला घेरा,
उजियारी ले तभे उसलथे अँधियारी के डेरा,
सबे परानी बर आजादी करम बरोबर होथे।

जेला नइ हे आजादी के एकोकनी चिन्हारी,
पर के कोठा के बइला मन चरथे ओकर बारी,
आजादी के बासी आगू बिरथा सोनहा थारी,
सोन के पिंजरा म आजादी भरम बरोबर होथे।

माढ़े पानी ह नइ गावय खलबल—खलबल गाना,
बिना नहर उपजाय न बाँधा खेत म एको दाना,
अपन गोड़ के बँधना छोरय ओला मिलय ठिकाना,
आजादी ह सब बिकास के मरम बरोबर होथे।

छत्तीसगढ़ी शब्द मन के हिन्दी अर्थ

जुड़ा	=	बैलगाड़ी का जुआ	जोहारे	=	प्रणाम करे
उसलथे	=	उठ जाते हैं	चिन्हारी	=	पहचान
चेथी	=	गरदन के पीछे का भाग	घोलंड के	=	लोट करके
एकोकनी	=	तनिक भी	कोठा	=	गौशाला
सोनहा	=	सुनहरा	माढ़े	=	रखा हुआ
गोड़	=	पैर			

अभ्यास

पाठ से

1. आजादी के एक साँस काकर बरोबर होथे?
2. अँधियारी के डेरा कब उसलथे?
3. ''माढ़े पानी ह नइ गावय खलबल–खलबल गाना'' कवि के अइसे कहे के मतलब का हे?
4. ''लहू के तरिया ल तउँर'' के कोन निकलथे।
5. संसार म कोन मनखे के बदनामी होथे?
6. कवि ह आजादी ल जम्मो विकास के जर काबर कहे हे?

पाठ से आगे

8T826S

1. आजादी ह सब मनखे बर करम बरोबर आय ऐ बात ल फरियारे बर कक्षा में दू दल बनाके चर्चा करव।
2. आजादी हमन ल अगर आज तक नइ मिले होतिस त हमर दसा कइसे रहितिस ए बात के कल्पना करके लिखव।
3. घर म तुमला आजादी मिलही त तुमन का–का करहू चर्चा करव।
4. आजादी के लड़ई म कतको झन ल फाँसी हो गिस। कतको झन ल जेल म बाँध दे गिस खोज के लिखव कतका झन के नाँव ल तुमन जान पाएव जेन मन ल अंग्रेज मन फाँसी अउ जेल के सजा दीस। अइसे तालिका बना के लिखव –

फाँसी के सजा पाइन	जेल के सजा पाइन
1.	1. .....
2.	2. .....
3.	3. .....

भाषा से

1. ये पाठ म कई ठन मुहावरा मन बहुत नवा ढ़ंग ले अपन बात रखत दिखथे। जब कवि बहुत समर्थ होथे त अपन भाषा ले अपन नवाँ मुहावरा गढ़ लेथे। जीवन यदु छत्तीसगढ़ी के अइसनेहे कवि आयँ। ऊँखर भाषा के प्रयोग ल देखव–

   - बइरी मन ल घोलंड के लामालामी जोहारना
   - लहू के नदिया तउँर के निकलना
   - उजियारी ले अँधियारी के डेरा उसेलना
   - पर के कोठा के बइला
   - माढ़े पानी खलबल –खलबल गाना नइ गावय
   - अपन गोड़ के बंधना छोरना।

   मुहावरा मन जेन लिखाए हे ओखर ले दूसर अर्थ ल बताथें । अब उप्पर लिखाय परयोग मन के सही अर्थ आरो करके लिखव। एमा अपन गुरुजी या अउ कखरो मदत ले जा सकथे।
2. छत्तीसगढ़ी के 'होथे' शब्द के खड़ी बोली म अर्थ हे– 'होता है।' एकर 'भूतकाल' अउ 'भविष्यत्' काल के रूप लिखव।
3. 'जेकर चेथी म जूड़ा **कस** माड़े रथे गुलामी।' मा दिए 'कस' शब्द ल जोड़ के तीन ठन वाक्य लिखव।

योग्यता विस्तार

1. छत्तीसगढ़ म आजादी के आंदोलन उप्पर एक लेख लिखव।
2. छत्तीसगढ़ के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी मन के चित्र सकेल के ओकर छोटे–छोटे जीवन परिचय लिखव जेमा– नाम, गाँव/शहर, माता पिता, शिक्षा ल शामिल करव।
3. छत्तीसगढ़ के कवि मन के देस भक्ति गीत के संग्रह करके कक्षा म सुनावव।